पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालयपनारी ललितपुर

दिनांक 01दिसंबर 2023

विश्व एड्स जागरूकता

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद "नैक" द्वारा "बी" ग्रेड प्राप्त संस्थान पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में आज दिनांक 1 दिसंबर 2023 को विश्व एड्स जागरूकता दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें एनसीसी, एनएसएस, रिवर्स रेंजर्स उन्नत भारत वॉलिंटियर्स तथा महाविद्यालय में अध्यनरत समस्त छात्राएं उपस्थित रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्रबंधक श्रीमती सितारा देवी, अध्यक्ष श्रीमती कंचन लता यादव, प्रबंध निर्देशिका डॉक्टर पूजा यादव, प्राचार्य डॉक्टर सूफिया जी के द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चरणों में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। महाविद्यालय की प्रबंधक श्रीमती सितारा देवी ने छात्राओं को बताया कि एड्स रोग में शरीर का इम्यून सिस्टम कमजोर होने की वजह से शरीर बीमारियों से बचाव नहीं कर पता है। यह एचआईवी वायरस से इन्फेक्शन की वजह से होता है। पूरे विश्व में हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह खास दिन लोगों के बीच एचआईवी संक्रमण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। अध्यक्ष श्रीमती कंचन लता यादव ने अपने वक्तव्य में बताया कि सबसे पहली बार वर्ल्ड एड्स दिवस 1 दिसंबर 1988 को मनाया गया था। एड्स से बचाव और उसकी रोकथाम के लिए लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक होना बेहद जरूरी है। लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल WHO यानी विश्व स्वास्थ्य संगठन विश्व एड्स दिवस के मौके पर एक थीम निर्धारित करती है। महाविद्यालय की प्रबंध निर्देशिका डॉक्टर पूजा यादव ने बताया कि विश्व एड्स दिवस पर इस साल की थीम "Let communities Lead" का उद्देश्य एड्स से प्रभावित समुदायों को नेतृत्व करने की भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती हैं कि एड्स से प्रभावित लोग अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपनी आवाज़ उठाएं और कार्यवाही करने में सक्षम बने। एड्स से प्रभावित लोगों का स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और रोजगार के समान अवसरों तक पहुंच होनी चाहिए। जिससे WHO के मुताबिक इस थीम का मकसद पूरा हो सके। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर सूफिया ने छात्राओं को बताया कि इस दिन का मकसद यह तय करना है कि एड्स से प्रभावित लोग कलंक और भेदभाव के बिना समाज में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी सके। उनके साथ होने वाली छुआछूत के भेदभाव को खत्म करना है। विश्व एड्स दिवस एचआईवी/ एड्स से निपटने के लिए दुनिया भर में होने वाले पहल को और भी मजबूत बनाने का अच्छा मौका होता है। इस दिन का मकसद यह भी होता है कि नई दवाओं के साथ-साथ उपचार में होने वाली सुधार के लिए समर्थन

जुटाना है। और यह तय करना है कि एचआईवी/ एड्स से प्रभावित सभी लोगों का स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचे हो सके।

इस अवसर पर एनसीसी कैप्टन डॉक्टर वंदना याज्ञिक, श्री प्रकाश खरे, प्रीति शुक्ला, श्रीमती साधना नागल, श्रीमती रंजना श्रीवास्तव, रत्ना याज्ञिक, श्रीमती सुषमा पटेल, नेहा याज्ञिक, डॉक्टर घूमन अहिरवार,पूजा सिंह, श्रीमती रजनी यादव, श्रीमती गेंदा, मालती राज, नेहा अहिरवार, श्री राघवेंद्र सिंह, श्री जगत झा, श्री मुस्ताक खान, मुजफ्फर अली, रामसहाय, सचिन पटेल, सचिन यादव, बिमला तथा परमानंद उपस्थित रहे।

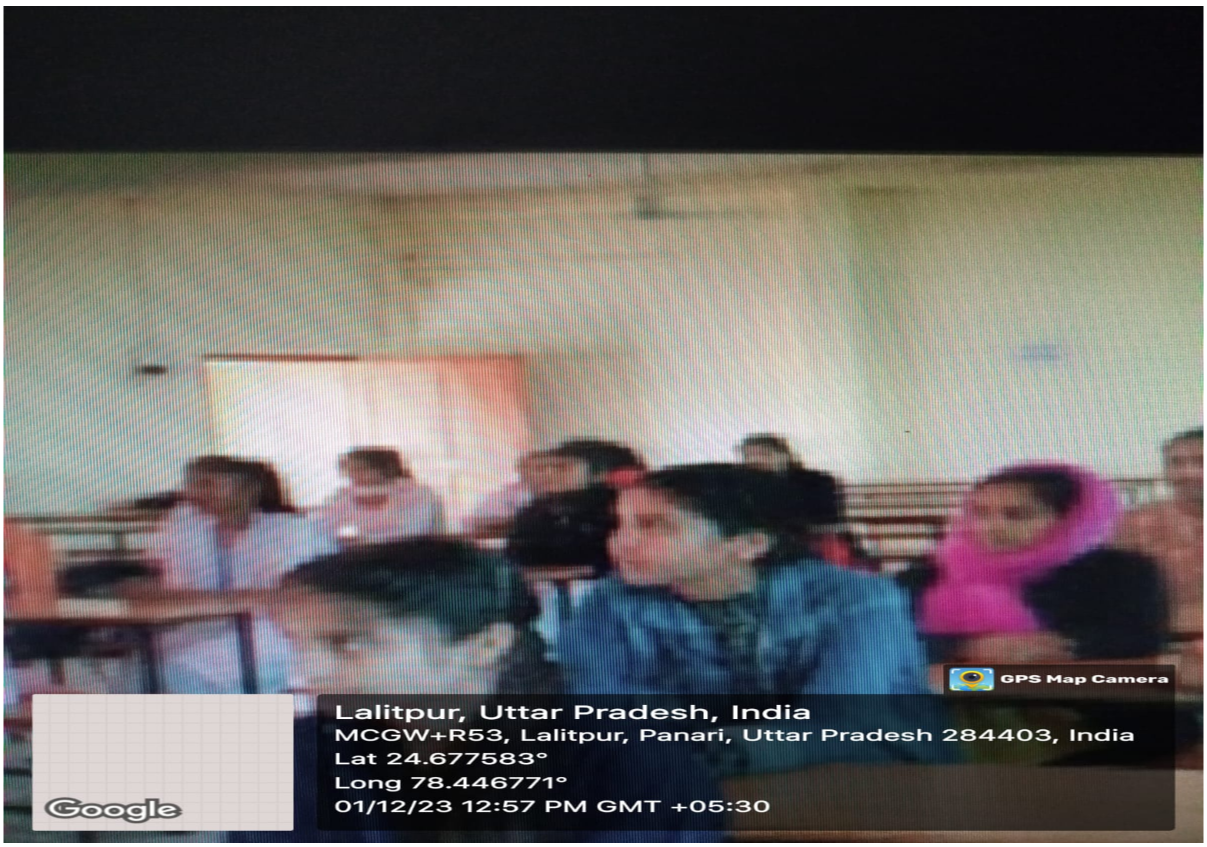

पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय पनारी ललितपुर में विश्व एड्स दिवस के अंतर्गत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दिनांक 1 दिसंबर 2023

पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय
पनारी ललितपुर

दिनांक 24 जनवरी 2023

विषय – राष्ट्रीय बालिका दिवस

आज आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय बालिका दिवस के तत्वधान में बालिका सुरक्षा सम्मान एवं स्वालंबन विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्रबंध श्रीमती सितारा देवी, अध्यक्ष श्रीमती कंचन लता यादव जी, प्रबंध निर्देशिका डॉक्टर पूजा यादव, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर सूफिया जी ने ज्ञान की देवी मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में एनसीसी /एनएसएस/ रोवर्स रेंजर्स एवं अन्य पाठ्यक्रमों में अध्यनरत छात्राओ ने भागीदारी दिखाई।कार्यक्रम को गति प्रदान करते हुए प्रबंधक श्रीमती सितारा देवी जी ने छात्राओं को उनकी सुरक्षा एवं आत्मविश्वास को बढ़ाते हुए कहा कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य लोगों को इस बात के लिए जागरूक करना है की लड़कियों को भी समाज में उतनी ही अधिकार और इज़्ज़त देनी चाहिए जितनी लड़को को मिलती है | लडकियों का भी पूरा अधिकार है की वह समाज में अपनी बात को रख सकें और उन पर हो रहे किसी भी प्रकार के अन्याय के खिलाफ आवाज उठा सकें |यह दिन उन लोगों को भी जागरूक करने के लिए है जो की लड़कियों को सामाजिक सीमाओं में बाँध कर रखते हैं। बालिकाओ को स्वयं ही अपने अधिकार , दायित्व और समाज में मान सम्मान मिलने का हक रखना चाहिए। महाविद्यालय की प्रबंध निर्देशिका डॉक्टर पूजा यादव ने खुद एक महिला होने पर गर्व जताया और कहा कि हम जिस समाज में रहते हैं समाज में लड़कियों के लिये ये बहुत जरुरी है कि वो सशक्त, सुरक्षित और बेहतर माहौल प्राप्त करें। उन्हें जीवन की हर सच्चाई और कानूनी अधिकारों से अवगत होना चाहिये। उन्हें इसकी जानकारी होनी चाहिये कि उनके पास अच्छी शिक्षा, पोषण, और स्वास्थ्य देख-भाल का अधिकार है। जीवन में अपने उचित अधिकार और सभी चुनौतियों का सामना करने के लिये उन्हें बहुत अच्छे से कानून सहित घरेलु हिंसा की धारा 2009, बाल-विवाह रोकथाम एक्ट 2009, दहेज रेकथाम एक्ट 2006 आदि से अवगत होना चाहिये। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सूफिया ने छात्राओं को बताया कि एक लड़की होना कितने फक्र की बात है और बालिकाओं का समाज में महत्व बताते हुए कहा कि –

हर युग में भारत को नई दिशा देती हैं बेटियां,
त्याग और बलिदान से भरपूर हैं बेटियां।
रण में चंडी दुर्गा, लक्ष्मी, अहिल्या होती हैं बेटियां,
आसमान में कल्पना, सुनीता–सी तैरती हैं बेटियां। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने "धनलक्ष्मी" नाम से एक योजना की शुरुआत की है, जिसके तहत बालिका शिशु के परिवार को नकद हस्तांतरण के द्वारा मूलभूत जरुरतों जैसे असंक्रमीकरण, जन्म पंजीकरण, स्कूल में नामांकन और कक्षा 8 तक के रखरखाव को पूरा किया जाता है। शिक्षा का अधिकार कानून ने बालिका शिशु के लिये मुफ्त और जरुरी शिक्षा उपलब्ध कराया गया है। हमारा भी दायित्व बनता है कि हम अपने अधिकारों को पहचाने और समाज में हो रही कन्या भ्रूण हत्या जैसे अभद्र कार्यों पर रोक लगाएं हम तभी एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। हम अपने कर्तव्यों और अधिकारों को भलीभांति जाने। इस दौरान कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष एनसीसी कैप्टन डॉ वंदना याज्ञिक, वाणिज्य विभाग अध्यक्ष प्रकाश खरे, श्री विशाल कनौजिया, विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रीति शुक्ला, बीएड विभाग अध्यक्ष रत्ना याज्ञिक, एनएसएस द्वितीय इकाई कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती साधना नागल, असि० प्रो० श्रीमती रंजना श्रीवास्तव, असि० प्रो० श्रीमती सुषमा पटेल, असि० प्रो० श्रीमती लता जायसवाल, असि० प्रो० जुनैद रजा, राघवेंद्र सिंह, जगत झा, शशि श्रीवास्तव, पूजा सिंह, अनामिका कपूर, नेहा याज्ञिक , सोनिया झा, गेंदा, मुस्ताक खान, मुजफ्फर अली, राम सहाय, सचिन पटेल, सचिन यादव, कप्तान, परमानंद, विमला, सरोज उपस्थित रहे।

Principal
Pahalvan Gurudeen Mahila
Mahavidyalaya, Panari Lalitpur

(NCTE & SCERT & UGC से मान्यता प्राप्त)
पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय
पनारी - ललितपुर
PAHALWAN GURUDEEN
MAHILA MAHAVIDYALAYA
Courses
GPS Map Camera
Panari, Uttar Pradesh, India
MCGX+VQQ, Panari, Uttar Pradesh 284403, India
Lat 24.677102°
Long 78.449438°
24/01/24 11:46 AM GMT +05:30
Google

पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय पनारी ललितपुर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह

27 FEB 2024

पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय पनारी ललितपुर में विश्व युवक केंद्र एवं कनक कल्याण समिति के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्रबंधक, अध्यक्ष, प्रबंध निर्देशिका एवं प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में एनसीसी/ एनएसएस/ रोवर रेंजर्स/उन्नत भारत के वालंटियर एवं अन्य पाठ्यक्रमों में अध्यनरत छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विभिन्न कार्यक्रमों मे निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता एवं रैली निकाल कर महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूक साप्ताहिक कार्यक्रमों का महाविद्यालय में अयोजन किया गया। छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागीदारी दिखाने के लिए महाविद्यालय की प्रबंधक श्रीमती सितारा देवी ने हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरु द्वारा कहा गया मशहूर वाक्य “लोगों को जगाने के लिये”, महिलाओं का जागृत होना जरुरी है। एक बार जब वो अपना कदम उठा लेती है, परिवार आगे बढ़ता है, गाँव आगे बढ़ता है और राष्ट्र विकास की ओर उन्मुख होता है। महाविद्यालय की प्रबंध निर्देशिका डॉक्टर पूजा यादव ने छात्राओं को बताया कि सरकार को महिलाओं के वास्तविक विकास के लिये पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में जाना होगा और वहाँ की महिलाओं को सरकार की तरफ से मिलने वाली सुविधाओं और उनके अधिकारों से अवगत कराना होगा जिससे उनका भविष्य बेहतर हो सके। महिला सशक्तिकरण के सपने को सच करने के लिये लड़िकयों के महत्व और उनकी शिक्षा को प्रचारित करने की जरुरत है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर सूफिया ने छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि जब महिलाओं और लड़कियों को उनके अधिकारों तक पूरी पहुंच मिलेगी तभी वे स्वतंत्रता के जीवन का आनंद ले सकेंगी । इसमें समान वेतन से लेकर भूमि स्वामित्व अधिकार और बहुत कुछ

शामिल है। इसके अलावा, कोई भी देश तभी बदल सकता है जब उसकी महिलाओं को हर चीज में समान अधिकार मिले और उनके साथ समान व्यवहार किया जाए।

कार्यक्रम में उपस्थित एनसीसी कैप्टन/ गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ वंदना याज्ञिक, विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रीति शुक्ला, वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रकाश खरे, बीएड विभाग अध्यक्ष रत्ना याज्ञिक, असिस्टेंट प्रोफेसर साधना नागल, असिस्टेंट प्रोफेसर रंजना श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर सुषमा पटेल, पूजा सिंह, नेहा याज्ञिक, डॉ घुमन अहिरबार, श्रीमती रजनी यादव, गेंदा, मालती राज, नेहा अहिरवार, मुस्ताक खान, राघवेंद्र, यादव, जगत झा, सचिन पटेल, मुजफ्फर अली, रामसहाय, सचिन यादव, विमला, वर्षा आदि उपस्थित रहे।

Principal
Pahalwan Gurudeen Mahila
Mahavidyalaya Panari Lalitpur

पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय
Panari, Uttar Pradesh, India
MCGX+VQQ, Panari, Uttar Pradesh 284403, India
Lat 24.677092°
Long 78.449172°
27/02/24 11:47 AM GMT +05:30

पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर

(NCTE & SCERT & UGC से मान्यता प्राप्त)
पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय
सम्बद्ध बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी उ.प्र.
Vishwa Yuvak Kendra
&
Kanak Jan Kalyan samiti
Jointly Organise
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
महाविद्यालय में संचालित कार्यक्रमों का विवरण -
Courses

पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय पनारी ललितपुर में महिला दिवस के उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया दिनांक 27 फरवरी 2024

RNI NO. UPHIN/2023/84376
खरे बोल न्यूज
दैनिक खरे बोल
निःस्वार्थ.निष्पक्ष.निडर
सम्पादक- डॉ विष्णु राय उप सम्पादक- राशि राय
कृष्णकांत सोनी 'पत्रकार'
जिला ब्यूरो चीफ-दैनिक खरे बोल ललितपुर.
वर्ष-1, अंक-320 झाँसी, बुधवार, 28 फरवरी, 2024 पृष्ठ-8, मूल्य-2/-

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : महिलाओं को रैली निकालकर किया जागरूक पर

दैनिक खरे बोल,ललितपुर। मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत इस साल के थीम इन्वेस्ट इन वीमेन एक्सलेरेट प्रोग्रेस यानी महिलाओं में निवेश करें और प्रगति में तेजी लाएं विषय पर पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय पनारी में विश्व युवक केंद्र नई दिल्ली और कनक जन कल्याण समिति द्वारा महिला दिवस के तत्वाधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्रबंधक, अध्यक्ष, प्रबंध निर्देशिका, प्राचार्य एवं कनक जन कल्याण समिति के अध्यक्ष जयेश बादल द्वारा मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में एनसीसी/ एनएसएस/ रोवर रेंजर्स / उन्नत भारत के वालंटियर एवं अन्य पाठ्यक्रमों में अध्यनरत छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

विभिन्न कार्यक्रमों मे निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता एवं रैली निकाल कर महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूक साप्ताहिक कार्यक्रमों का महाविद्यालय में आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर सूफिया एवं संस्था कनक जन कल्याण समिति के अध्यक्ष जयेश बादल ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में छात्र-छात्राओं ने नारों के जरिए नारी सशक्तिकरण का अलख जगाया। वहीं बाल विवाह, दहेज प्रथा और शराबबंदी के प्रति लोगों को जागरूक किया।

छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागीदारी दिखाने के लिए महाविद्यालय की प्रबंधक श्रीमती सितारा देवी ने हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरु द्वारा कहा गया मशहूर वाक्य लोगों को जगाने के लिये महिलाओं का जागृत होना जरुरी है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर सूफिया ने छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि जब महिलाओं और लड़कियों को उनके अधिकारों तक पूरी पहुंच मिलेगी तभी वे स्वतंत्रता के जीवन का आनंद ले सकेंगी। इसमें समान वेतन से लेकर भूमि स्वामित्व अधिकार और बहुत कुछ शामिल है। इसके अलावा, कोई भी देश तभी बदल सकता है जब उसकी महिलाओं को हर चीज में समान अधिकार मिले और उनके साथ समान व्यवहार किया जाए।

संस्था कनक जन कल्याण समिति के अध्यक्ष जयेश बादल ने बताया कि रैली निकालने का मकसद महिलाओं के प्रति अभी भी समाज में कुछ घटनाएं चल रही है उसके लिए जागरूकता लाना है। कार्यक्रम में उपस्थित एनसीसी कैप्टन / गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ वंदना याज्ञिक, विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रीति शुक्ला, वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रकाश खरे, बीएड विभाग अध्यक्ष रत्ना याज्ञिक, असिस्टेंट प्रोफेसर साधना नागल, असिस्टेंट प्रोफेसर रंजना श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर सुषमा पटेल, पूजा सिंह, नेहा याज्ञिक, डॉ घुमन अहिरबार, श्रीमती रजनी यादव, गेंदा, मालती राज, नेहा अहिरवार, मुस्ताक खान, राघवेंद्र, यादव, जगत झा, सचिन पटेल, मुजफ्फर अली, रामसहाय, सचिन यादव, विमला, वर्षा, पूर्व माध्यमिक विद्यालय पनारी से मोहम्मद जाकिर, अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन से बिनय चतुर्वेदी, मानसी आदि उपस्थित रहे।

लोगों को जगाने के लिये महिलाओं का जागृत होने पर दिया बल

● एक महिला सीमेंट की तरह कार्य करती है जो अपने परिवार समाज और देश को जोड़कर रखती है - जयेश बादल

● अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत रैली निकाल कर महिलाओं के अधिकारों के प्रति किया जागरूक

ललितपुर। मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत इस साल के थीम इन्वेस्ट इन वीमेन एक्सलेरेट प्रोग्रेस यानी महिलाओं में निवेश करें और प्रगति में तेजी लाएं विषय पर स्थानीय महिला महाविद्यालय पनारी में विश्व युवक केंद्र नई दिल्ली और कनक जन कल्याण समिति द्वारा महिला दिवस के तत्वाधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्रबंधक, अध्यक्ष, प्रबंध निर्देशिका, प्राचार्य एवं कनक जन कल्याण समिति के अध्यक्ष जयेश बादल द्वारा मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में एनसीसी, एनएसएस, रोवर रेंजर्स, उन्नत भारत के वालंटियर एवं अन्य पाठ्यक्रमों में अध्यनरत छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विभिन्न कार्यक्रमों मे निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता एवं रैली निकाल कर महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूक साप्ताहिक कार्यक्रमों का महाविद्यालय में आयोजन किया गया। प्राचार्य एवं संस्था कनक जन कल्याण समिति के अध्यक्ष जयेश बादल ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में छात्र-छात्राओं ने नारों के जरिए नारी सशक्तिकरण का अलख जगाया। वहीं बाल विवाह, दहेज प्रथा और शराबबंदी के प्रति लोगों को जागरूक किया। छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागीदारी दिखाने के लिए वक्ताओं ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरु द्वारा कहा गया मशहूर वाक्य लोगों को जगाने के लिये महिलाओं का जागृत होना जरुरी है। एक बार जब वो अपना कदम उठा लेती है, परिवार आगे बढ़ता है, गाँव आगे बढ़ता है और राष्ट्र विकास की ओर उन्मुख होता है। अन्य वक्ताओं ने छात्राओं को बताया कि सरकार को महिलाओं के वास्तविक विकास के लिये पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में जाना होगा और वहाँ की महिलाओं को सरकार की तरफ से मिलने वाली सुविधाओं और उनके अधिकारों से अवगत कराना होगा जिससे उनका भविष्य बेहतर हो सके। महिला सशक्तिकरण के सपने को सच करने के लिये लड़कियों के महत्व और उनकी शिक्षा को प्रचारित करने की जरुरत है। कहा कि छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि जब महिलाओं और लड़कियों को उनके अधिकारों तक पूरी पहुंच मिलेगी तभी वे स्वतंत्रता के जीवन का आनंद ले सकेंगी। इसमें समान वेतन से लेकर भूमि स्वामित्व अधिकार और बहुत कुछ शामिल है। इसके अलावा, कोई भी देश तभी बदल सकता है जब उसकी महिलाओं को हर चीज में समान अधिकार मिले और उनके साथ समान व्यवहार किया जाए। संस्था कनक जन कल्याण समिति के अध्यक्ष जयेश बादल ने बताया कि रैली निकालने का मकसद महिलाओं के प्रति अभी भी समाज में कुछ घटनाएं चल रही है उसके लिए जागरूकता लाना है। आज भी हमें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की जरूरत पड़ रही है। महिलाओं को सिर्फ बराबरी का अधिकार मिलने की बात की जाती है। जितना हम अपने बेटों को आगे बढने का मौका देते हैं, उसी तरह अपनी बेटियों को भी मौका दिया जाए। जब महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं तो उनके साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। उनके विचारों और उनकी सोच को उतना ही महत्व देना चाहिए, जितनी पुरुषों को देते हैं। उन्होंने कहा कि एक महिला सीमेंट की तरह कार्य करती है जो अपने परिवार समाज और देश को जोड़कर रखती है। देश की तरक्की महिलाओं की उन्नति से होती है। इसी जागरूकता को लेकर ये रैली निकाली जा रही है। इस दौरान वंदना याज्ञिक, प्रीति शुक्ला, प्रकाश खरे, रत्ना याज्ञिक, साधना नागल, रंजना श्रीवास्तव, सुषमा पटेल, पूजा सिंह, नेहा याज्ञिक, डा.घुमन अहिरवार, रजनी यादव, गेंदा, मालती राज, नेहा अहिरवार, मुस्ताक खान, राघवेंद्र, यादव, जगत झा, सचिन पटेल, मुजफ्फर अली, रामसहाय, सचिन यादव, विमला, वर्षा, पूर्व माध्यमिक विद्यालय पनारी से मोहम्मद जाकिर, अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन से विनय चतुर्वेदी, मानसी आदि उपस्थित रहे।

पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय पनारी ललितपुर

दिनांक- 7 मार्च 2024

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

आज दिनांक 7 मार्च 2024 को पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय पनारी ललितपुर में विश्व युवा केंद्र और कनक जन कल्याण समिति, अपराजिता, एनएसएस सामान्य शिविर के द्वितीय दिवस के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व संध्या पर "21 वीं सदी के तीसरे दशक में महिलाओं की प्रगति" के अंतर्गत 'शगुन दिवस प्रगति में तेजी लाएं' के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम शुभारंभ नारी सशक्तिकरण को परिभाषित एवं आच्छादित करते हुए प्रबंधक श्रीमती सितारा देवी, अध्यक्ष श्रीमती कंचन लता यादव, प्रबंध निर्देशिका डॉ पूजा यादव, विशेष अतिथि प्राचार्या डॉ सूफिया, एनसीसी कैप्टन डॉ वन्दना याज्ञिक ने मातृशक्ति शक्ति स्वरूपा, विद्या की देवी माता सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। महिला दिवस को महाविद्यालय में वृहद रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, बुंदेलखंडी लोकनृत्य, लोकगीत, फैंसी ड्रेस कंपटीशन, कवि सम्मेलन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कार्यक्रम में एनसीसी/ एनएसएस/रोमन स्ट्रेंजर्स /उन्नत भारत के वालंटियर एवं अन्य पाठ्यक्रमों में अध्यनरत समस्त छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

विविध कार्यक्रमों के माध्यम से नारी सशक्तिकरण, महिला अधिकारों, सुरक्षा, नए बदलाव एवं विधि प्रदत्त कानूनों के प्रति जागरूक का संदेश दिया गया। इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए प्रबंधक श्रीमती सितारा देवी ने अपने उद्बोधन में बताया कि नारी सशक्तिकरण और उनके अधिकारों की प्रासंगिकता आज अपने सशक्त रूप में दिखाई

पड़ती है। क्योंकि, महिलाओं के हक की बात अब महिलाएं ही मंच की पहली पंक्ति में आकर करने के लिए तैयार हो चुकी हैं। जब हमें अपने हक की बात कहने और न मिलने पर छीन लेने की शक्ति प्राप्त हो चुकी है, तो ऐसे में हम सब अपनी शक्ति और समझ का सदुपयोग करके समाज के प्रत्येक बहन–बेटियों को सशक्त बनाने का दायित्व

स्वयं निर्वहन करेंगे। आज हम सबके बीच से अंतरिक्ष विज्ञान, सामाजिक कार्यों, न्यायिक प्रक्रियाओं, तकनीकी, खेलकूद, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के सभी क्षेत्रों में सफल रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कर चुकी हैं। ऐसे में अब वक्त आ चुका है कि हमें किसी के सामने गिड़गिड़ाने और हाथ फैलाने की आवश्यकता नहीं बल्कि अपनी सशक्त उपस्थिति और सक्षमता के साथ आगे बढ़ने की है। यही हमारी पहचान और हमारा वजूद है। डॉ पूजा यादव ने अपने वक्तव्य में बताया कि वर्ष 2024 अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की कैंपेन थीम इंस्पायर इंक्लुजन है। जिसका मतलब होता है महिलाओं के महत्व को समझने के लिए लोगों को जागरूक करना। इस थीम का अर्थ महिलाओं के लिए एक ऐसे समाज के निर्माण को बढ़ावा देना भी है जहां महिलाएं खुद को जुड़ा हुआ महसूस कर सकें, सशक्त महसूस कर सकें. अगर किसी क्षेत्र विशेष में, जैसे किंसी कंपनी में महिलाएं नहीं हैं, तो इंस्पायर इंक्लुजन कैंपेन के तहत मकसद यह है कि पूछा जाए कि अगर महिलाएं नहीं हैं तो क्यों नहीं हैं. अगर महिलाओं के साथ किसी तरह का भेदभाव हो रहा है तो उस भेदभाव को खत्म करना जरूरी है. अगर महिलाओं के साथ अच्छा बर्ताव नहीं होता है तो उसके खिलाफ कदम उठाना जरूरी है और यह हर बार करना जरूरी है। यही इंस्पायर इंक्लुजन है। इस बात को समझना हम सबके लिए बेहद जरूरी है। छात्रा सोनम ने अपने विचार रखते हुए बताया कि आज हम इस माहौल में जी रहे हैं जहां अपने विचारों को रखने और कार्यों को करने के लिए सोचना नहीं पड़ता है। और ऐसा वातावरण दुनिया के हर किसी लड़की के जीवन में होना आवश्यक है। ऐसा वातावरण तभी संभव होगा जब हम सभी प्रत्येक स्त्री के प्रति समान भाव से सोच रखेंगे। तब निश्चित रूप में शिक्षा, खेल, देश सेवा, समाज सेवा आदि में समान अवसर प्राप्त कर सकेंगे। एनसीसी कैप्टन डॉ वंदना याज्ञिक ने अपने संबोधन में कहा कि जिस

तरह से भारत सबसे तेजी आर्थिक तरक्की प्राप्त करने वाले देशों में शुमार हुआ है, उसे देखते हुए निकट भविष्य में भारत को महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। हमें महिला सशक्तिकरण के इस कार्य को समझने की आवश्यकता है क्योंकि इसी के द्वारा ही देश में लैंगिग समानता और आर्थिक तरक्की को प्राप्त किया जा सकता है। प्राचार्य सूफिया ने अपने वक्तव्य के माध्यम से उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि 21वीं सदी का समय सदियों से शोषित वंचित और भेदभाव से पीड़ित महिलाओं की शताब्दी है। 21वीं शताब्दी का यह तीसरा दशक हम महिलाओं की आजादी के आधे से ज्यादा का सफर पूरा कर चुका है। आज हम महिलाओं की स्थिति शिक्षा प्राप्त करने धर्म और अनुष्ठानों में प्रतिभा करने, न्यायिक कार्यों में सहयोग करने, संस्थानों में कार्य करने और समाज के अंदर उन सारे तमाम कार्यों को

करने का अवसर प्राप्त हो चुका है। जहां पर आज के कुछ वर्षों पूर्व कार्य करना तो दूर वहां पहुंचना दुष्कर था। तो हम निश्चित रूप से या कह सकते हैं कि 21वीं शताब्दी के तीसरे दशक में हम सभी स्त्रियों का समाज के उन सभी उत्तरदायित्वों में हमारी हिस्सेदारी और जिम्मेदारी का बराबर निवेश हो रहा है जहां पर पुरुषों का ही वर्चस्व था। पुरुषवादी सोच और उनके वर्चस्व को तोड़ कर वहां पर पहुंचना और शामिल होना, कदम कदम पर बराबर का सहयोगी होना ही 21वीं शताब्दी में महिलाओं की उन्नति को प्रदर्शित करता है। सामाजिक दायित्व में निवेश को बढ़ाने के लिए हमें किसी के भरोसे कि नहीं बल्कि हम सब का यह अपना कार्य है और सभी लोग निष्ठा से समाज की प्रत्येक स्त्री को जागरूक करने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष असिस्टेंट प्रोफेसर सुषमा पटेल ने किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित एनसीसी कैप्टन/ गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ वंदना याज्ञिक, विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रीति शुक्ला, वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रकाश खरे, बी एड विभाग अध्यक्ष रत्ना यागिक, डी एल एड विभागाध्यक्ष डॉ अलका यादव,असिस्टेंट प्रोफेसर साधना नागल, असिस्टेंट प्रोफेसर रंजना श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर सुषमा पटेल,पूजा सिंह, नेहा, श्रीमती रजनी यादव, गेंदा, मालती राज, नेहा अहिरवार, मुस्ताक खान, राघवेंद्र, यादव, जगत झा, सचिन पटेल, मुजफ्फर अली, रामसहाय, सचिन यादव, विमला, अभिलाषा आदि उपस्थित रहे।

पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय पनारी ललितपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपराजिता के अंतर्गत महिला दिवस विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिनांक 7 मार्च 2024

आज दिनांक 7 मार्च 2024 को पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय पनारी ललितपुर में विश्व युवा केंद्र और कनक जन कल्याण समिति, अपराजिता, एनएसएस सामान्य शिविर के द्वितीय दिवस के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व संध्या पर "21 वीं सदी के तीसरे दशक में महिलाओं की प्रगति" के अंतर्गत 'शगुन दिवस प्रगति में तेजी लाएं' के रूप में मनाया गया।

गुरुदीन महिला महाविद्यालय में जागरूकता शिविर के तहत विभिन्न कायक्रमों का आयोजन

,ललितपुर

पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय पनारी ललितपुर में विश्व युवा केंद्र और कनक जन कल्याण समिति, अपराजिता, एनएसएस सामान्य शिविर के द्वितीय दिवस के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व संध्या पर 21 वीं सदी के तीसरे दशक में महिलाओं की प्रगति के अंतर्गत शगुन दिवस प्रगति में तेजी लाएं के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम शुभारंभ नारी सशक्तिकरण को परिभाषित एवं आच्छादित करते हुए प्रबंधक श्रीमती सितारा देवी, अध्यक्ष श्रीमती कंचन लता यादव, प्रबंध निर्देशिका डॉ पूजा यादव, विशेष अतिथि प्राचार्या डॉ सूफिया, एनसीसी कैप्टन डॉ वन्दना याज्ञिक ने मातृशक्ति शक्ति स्वरूपा, विद्या की देवी माता सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। महिला दिवस को महाविद्यालय में वृहद रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, बुंदेलखंडी लोकनृत्य, लोकगीत, फैंसी ड्रेस कंपटीशन, कवि सम्मेलन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कार्यक्रम में एनसीसी/ एनएसएस/रोमन स्ट्रेंजर्स /उन्नत भारत के वालंटियर एवं अन्य पाठ्यक्रमों में अध्यनरत समस्त छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

विविध कार्यक्रमों के माध्यम से नारी सशक्तिकरण, महिला अधिकारों, सुरक्षा, नए बदलाव एवं विधि प्रदत्त कानूनों के प्रति जागरूक का संदेश दिया गया। इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए प्रबंधक श्रीमती सितारा देवी ने अपने उद्बोधन में बताया कि नारी सशक्तिकरण और उनके अधिकारों की प्रासंगिकता आज अपने सशक्त रूप में दिखाई पड़ती है। क्योंकि, महिलाओं के हक की बात अब महिलाएं ही मंच की पहली पंक्ति में आकर करने के लिए तैयार हो चुकी हैं। जब हमें अपने हक की बात कहने और न मिलने पर छीन लेने की शक्ति प्राप्त हो चुकी है, तो ऐसे में हम सब अपनी शक्ति और समझ का सदुपयोग करके समाज के प्रत्येक बहन-बेटियों को सशक्त बनाने का दायित्व स्वयं निर्वहन करेंगे।

डॉ पूजा यादव ने अपने वक्तव्य में बताया कि वर्ष 2024 अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की कैंपेन थीम इंस्पायर इंक्लुजन है। जिसका मतलब होता है महिलाओं के महत्व को समझने के लिए लोगों को जागरूक करना। इस थीम का अर्थ महिलाओं के लिए एक ऐसे समाज के निर्माण को बढ़ावा देना भी है जहां महिलाएं खुद को जुड़ा हुआ महसूस कर सकें, सशक्त महसूस कर सकें।

प्राचार्य सूफिया ने अपने वक्तव्य के माध्यम से उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि 21वीं सदी का समय सदियों से शोषित वंचित और भेदभाव से पीड़ित महिलाओं की शताब्दी है। 21वीं शताब्दी का यह तीसरा दशक हम महिलाओं की आजादी के आधे से ज्यादा का सफर पूरा कर चुका है। आज हम महिलाओं की स्थिति शिक्षा प्राप्त करने धर्म और अनुष्ठानों में प्रतिभा करने, न्यायिक कार्यों में सहयोग करने, संस्थानों में कार्य करने और समाज के अंदर उन सारे तमाम कार्यों को करने का अवसर प्राप्त हो चुका है। जहां पर आज के कुछ वर्षों पूर्व कार्य करना तो दूर वहां पहुंचना दुष्कर था। तो हम निश्चित रूप से या कह सकते हैं कि 21वीं शताब्दी के तीसरे दशक में हम सभी स्त्रियों का समाज के उन सभी उत्तरदायित्वों में हमारी हिस्सेदारी और जिम्मेदारी का बराबर निवेश हो रहा है जहां पर पुरुषों का ही वर्चस्व था।

कार्यक्रम का संयोजन और संचालन राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष असिस्टेंट प्रोफेसर सुषमा पटेल ने किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा!

RNI NO. UPHIN/2023/84376

दैनिक **खरे बोल**

नि:स्वार्थ,निष्पक्ष,निडर

सम्पादक- डॉ विष्णु राय   उप सम्पादक- राशि राय

कृष्णकांत सोनी "पत्रकार"
जिला ब्यूरो चीफ-दैनिक खरे बोल ललितपुर.

वर्ष-1, अंक-329   झाँसी, शुक्रवार, 8 मार्च, 2024   पृष्ठ-8, मूल्य-2/-

गुरुदीन महिला महाविद्यालय में जागरूकता शिविर के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

दैनिक खरे बोल,ललितपुर

पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय पनारी ललितपुर में विश्व युवा केंद्र और कनक जन कल्याण समिति, अपराजिता, एनएसएस सामान्य शिविर के द्वितीय दिवस के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व संध्या पर 21 वीं सदी के तीसरे दशक में महिलाओं की प्रगति के अंतर्गत शगुन दिवस प्रगति में तेजी लाएं के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम शुभारंभ नारी सशक्तिकरण को परिभाषित एवं आच्छादित करते हुए प्रबंधक श्रीमती सितारा देवी, अध्यक्ष श्रीमती कंचन लता यादव, प्रबंध निर्देशिका डॉ पूजा यादव, विशेष अतिथि प्राचार्या डॉ सूफिया, एनसीसी कैप्टन डॉ वन्दना याज्ञिक ने मातृशक्ति शक्ति स्वरूपा, विद्या की देवी माता सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। महिला दिवस को महाविद्यालय में वृहद रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, बुंदेलखंडी लोकनृत्य, लोकगीत, फैंसी ड्रेस कंपटीशन, कवि सम्मेलन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कार्यक्रम में एनसीसी/ एनएसएस/रोमन स्ट्रेंजर्स /उन्नत भारत के वालंटियर एवं अन्य पाठ्यक्रमों में अध्यनरत समस्त छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

विविध कार्यक्रमों के माध्यम से नारी सशक्तिकरण, महिला अधिकारों, सुरक्षा, नए बदलाव एवं विधि प्रदत्त कानूनों के प्रति जागरूक का संदेश दिया गया। इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए प्रबंधक श्रीमती सितारा देवी ने अपने उद्बोधन में बताया कि नारी सशक्तिकरण और उनके अधिकारों की प्रासंगिकता आज अपने सशक्त रूप में दिखाई पड़ती है। क्योंकि, महिलाओं के हक की बात अब महिलाएं ही मंच की पहली पंक्ति में आकर करने के लिए तैयार हो चुकी हैं। जब हमें अपने हक की बात कहने और न मिलने पर छीन लेने की शक्ति प्राप्त हो चुकी है, तो ऐसे में हम सब अपनी शक्ति और समझ का सदुपयोग करके समाज के प्रत्येक बहन-बेटियों को सशक्त बनाने का दायित्व स्वयं निर्वहन करेंगे।

डॉ पूजा यादव ने अपने वक्तव्य में बताया कि वर्ष 2024 अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की कैंपेन थीम इंस्पायर इंक्लुजन है। जिसका मतलब होता है महिलाओं के महत्व को समझने के लिए लोगों को जागरूक करना। इस थीम का अर्थ महिलाओं के लिए एक ऐसे समाज के निर्माण को बढ़ावा देना भी है जहां महिलाएं खुद को जुड़ा हुआ महसूस कर सकें, सशक्त महसूस कर सकें।

प्राचार्य सूफिया ने अपने वक्तव्य के माध्यम से उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि 21वीं सदी का समय सदियों से शोषित वंचित और भेदभाव से पीड़ित महिलाओं की शताब्दी है। 21वीं शताब्दी का यह तीसरा दशक हम महिलाओं की आजादी के आधे से ज्यादा का सफर पूरा कर चुका है। आज हम महिलाओं की स्थिति शिक्षा प्राप्त करने धर्म और अनुष्ठानों में प्रतिभा करने, न्यायिक कार्यों में सहयोग करने, संस्थानों में कार्य करने और समाज के अंदर उन सारे तमाम कार्यों को करने का अवसर प्राप्त हो चुका है। जहां पर आज के कुछ वर्षों पूर्व कार्य करना तो दूर वहां पहुंचना दुष्कर था। तो हम निश्चित रूप से या कह सकते हैं कि 21वीं शताब्दी के तीसरे दशक में हम सभी स्त्रियों का समाज के उन सभी उत्तरदायित्वों में हमारी हिस्सेदारी और जिम्मेदारी का बराबर निवेश हो रहा है जहां पर पुरुषों का ही वर्चस्व था।

कार्यक्रम का संयोजन और संचालन राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष असिस्टेंट प्रोफेसर सुषमा पटेल ने किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा!

GPS Map Camera
Panari, Uttar Pradesh, India
MCGX+VQQ, Panari, Uttar Pradesh 284403, India
Lat 24.677053°
Long 78.449227°
07/03/24 02:19 AM GMT +05:30
Google

(NCTE & SCERT & UGC से मान्यता प्राप्त)
पहलवान गुरुदीन स्नातकोत्तर महिला महाविद्याल
सम्बद्ध बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी उ.प्र.
पनारी – ललितपुर
MAHILA MAHAVIDYALAYA
PANARI - LALITPUR (U.P.)
Courses
B.Sc.
B.Com
GPS Map Camera
Panari, Uttar Pradesh, India
MCGX+VQQ, Panari, Uttar Pradesh 284403, India
Lat 24.677053°
Long 78.449227°
07/03/24 02:20 AM GMT +05:30
Google